दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 || Postal Registration No-055/Raigarh DN CG || रायगढ़, सोमवार 17 मई 2021 || पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए || वर्ष-03, अंक- 226

पछले छह दिनों में पांचवीं बार 24 घंटे में ठीक होने वाले मरीजों की संख्या नए कोविड मरीजों से अधिक

» 24 घंटों में सक्रिय मामलों में 55,344 की गिरावट

» भारत में अब तक 18.22 करोड़ से अधिक लोगों को टीका लगाया गया

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत में कोविड-19 महामारी से आज तक 2,07,95,335 लोग स्वस्थ हो चुके हैं। वहीं, राष्ट्रीय रिकवरी दर 84.25 प्रतिशत पहुंच गई है। बीते 24 घंटे में 3,62,437 कोविड मरीज स्वस्थ हुए हैं। यह पिछले छह दिनों में पांचवीं बार ऐसा हुआ है जब ठीक होने वाले मरीजों की संख्या नए संक्रमित मरीजों से अधिक है। नई रिकवरी के 70.94 प्रतिशत में दस राज्यों की भागीदारी है।

भारत के कुल सक्रिय मामले कम हो कर 36,18,458 रह गए हैं हैं। अब यह देश के कुल पॉजिटिव मामलों का 14.66 प्रतिशत है। पिछले 24 घंटों में कुल सक्रिय मामलों में 55,344 मामलों की शुद्ध गिरावज दर्ज की गई है। 10 राज्यों की भारत के कुल सक्रिय मामलों के 74.69 प्रतिशत में भागीदारी है। राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तीसरे चरण के तहत देश में आज तक 18.22 करोड़ से अधिक लोगों को कोविड-19 का टीका लगाया जा चुका है।

अंतिम रिपोर्ट के अनुसार, 26,55,003 सत्रों के दौरान कुल 18,22,20,164 टीके खुराक दी गई हैं। टीकाकरण लाभार्थियों की कुल संख्या में वे 96,42,278 एचसीडब्ल्यू शामिल हैं, जिन्होंने वैक्सीन की पहली खुराक ली है और 66,41,047 ऐसे एचसीडब्ल्यू भी शामिल हैं, जिन्होंने वैक्सीन की दूसरी खुराक ले ली है। इसके अलावा पहली खुराक लेने वाले 1,44,25,044 एफएलडब्ल्यू, दूसरी खुराक लेने वाले 81,86,568 एफएलडब्ल्यू में 18 से 44 साल के आयु समूह में पहली खुराक लेने वाले 48,25,799 लोग शामिल हैं। इसके साथ-साथ 45 से 60 वर्ष की आयु के पहली खुराक लेने वाले 5,71,61,076 और दूसरी खुराक लेने वाले 90,66,862 लाभार्थियों के साथ-साथ 5,44,69,599 पहली खुराक लेने वाले और 1,78,01,891 दूसरी खुराक लेने 60 वर्ष की आयु से ज्यादा के लाभार्थी भी शामिल हैं।

राष्ट्रीय टीकारण अभियान के तीसरे चरण के तहत 18-44 वर्ष के आयु वर्ग के 5,62,130 लाभार्थियों ने पिछले 24 घंटों में कोविड वैक्सीन की पहली खुराक प्राप्त की है। वहीं, टीकारण की शुरुआत से लेकर अब तक 18-44 वर्ष के आयु वर्ग के कुल 48,25,799 लोगों ने 32 राज्यों / केंद्र शासित प्रदेशों में टीकाकरण कराया है। पिछले 24 घंटों में 17 लाख से अधिक लोगों को टीकाकरण किया गया है। टीकाकरण अभियान के 120वें दिन (15 मई, 2021) 17,33,232 टीके की खुराक दी गई। कुल 16,027 सत्रों में, 11,30,928 लाभार्थियों को पहली खुराक और 6,02,304 लाभार्थियों को उनकी दूसरी खुराक दी गई। बीते 24 घंटे में 3,11,170 नए मामले समाने आए हैं।

बीते 24 घंटों में दस राज्यों ने कुल नए मामलों में से 74.7 प्रतिशत नए मामले दर्ज किए गए। कर्नाटक ने एक दिन में सबसे अधिक 41,664 नए मामले दर्ज किए हैं। इसके बाद महाराष्ट्र में 34,848 जबकि तमिलनाडु में 33,658 नए मामले सामने आए हैं।

राष्ट्रीय मृत्यु दर वर्तमान में 1.09 प्रतिशत पर स्थिर है। पिछले 24 घंटों में 4,077 मृत्यु हुई हैं। दस राज्यों से नई मृत्यु के मामले 75.55 प्रतिशत है। महाराष्ट्र में सर्वाधिक (960) इसके बाद कर्नाटक में 349 लोगों की मौत दर्ज की गई हैं।

इसके साथ ही कोरोना महामारी से मुकाबला करने के लिए विदेशों से प्राप्त राहत सामग्री को तेजी से क्लियर कर राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को भेजा रहा है। कुल 10,953 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर, 13,169 ऑक्सीजन सिलेंडर, 19 ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्र, 6,835 वेंटिलेटर/बीआई पीएपी; 4.9 लाख रेमेडिसविर की शीशियों को अब तक सड़क और हवाई मार्ग से भेजा / वितरित किया गया है।

महत्वपूर्ण एवं खास

ऑक्सीमीटर और ऑक्सीजन कंसंट्रेटर की कालाबाजारी पर लगेगी रोक

नई दिल्ली (आरएनएस)। ऑक्सीमीटर और ऑक्सीजन कंसंट्रेटर की बढ़ती मांग और इसकी कालाबाजारी को रोकने के लिए केंद्र सरकार ने अब बड़ा फैसला लिया है। इसकी कीमत पर लगाम लगाने के लिए केंद्र सरकार ने नोटिस जारी किया है। इस नोटिस के मुताबिक ऑक्सीमीटर और ऑक्सीजन कंसंट्रेटर की कीमत 1 साल में 10 फीसदी से ज्यादा नहीं बढ़ सकती है। साथ में सरकार ने कंपनियों को अपनी एमआरपी डिटेल सरकार के साथ साझा करने को भी कहा है। मिनिस्ट्री ऑफ केमिकल्स एंड फर्टिलाइजर, डिपार्टमेंट ऑफ फार्मास्युटिकल्स और नेशनल फार्मास्युटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी की तरफ से जारी नोटिफिकेशन में कहा गया है ताजा नोटिफिकेशन 31 मार्च 2020 को जारी नोटिफिकेशन के संदर्भ में है। इसके अंतर्गत मेडिकल डिवाइस के लिए मैक्सिमम रिटेल प्राइस एक साल में 10 फीसदी से ज्यादा नहीं बढ़ाई जा सकती है।

गृह मंत्री अमित शाह ने चक्रवाती तूफान को लेकर सीएम-मंत्रियों के साथ की बैठक

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने चक्रवाती तूफान तौकते से उत्पन्न स्थिति से निपटने के लिए संबंधित राज्यों / केंद्र शासित प्रदेशों और केंद्रीय मंत्रालयों / एजेंसियों की तैयारियों का आकलन करने के लिए, गुजरात, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्रियों और दमन और दीव और दादरा नगर हवेली के प्रशासक के साथ एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने आज सुबह कहा कि चक्रवाती तूफान तौकते एक बहुत गंभीर चक्रवाती तूफान में बदल गया है। चक्रवात तौकते के 18 मई की सुबह के आसपास पोरबंदर और महुवा (भावनगर जिला) के बीच गुजरात तट पर टकराने की संभावना है। तूफान पंजिम-गोवा से लगभग 150 किमी दक्षिण पश्चिम, मुंबई से 490 किमी दक्षिण और वेरावल (गुजरात) से 730 किमी दक्षिण-दक्षिण पश्चिम में केंद्रित था।

देश भर में रेमडेसिविर की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए 23 मई तक हो आवंटन- गौड़ा

नई दिल्ली (आरएनएस)। हर राज्य में रेमडेसिविर की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए और इसकी पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए, केंद्रीय रसायन और उर्वरक मंत्री डी. वी. सदानंद गौड़ा ने आज, 23 मई 2021 तक किए गए रेमडेसिविर के आवंटन की घोषणा की। उन्होंने कहा कि रेमडेसिविर के समग्र उत्पादन और आवंटन में पर्याप्त वृद्धि हुई है। फार्मास्युटिकल विभाग और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा सभी राज्यों को लिखे गए पत्र में उल्लेख किया गया है कि 21 अप्रैल से 16 मई, 2021 की अवधि के लिए रेमडेसिविर दवा के आवंटन की समसंख्यक योजना को 7 मई 2021 को डीओ द्वारा जारी किया गया था। इसे जारी रखते हुए 21 अप्रैल से 23 मई, 2021 की अवधि के लिए वैध एक अद्यतन आवंटन योजना को फार्मास्युटिकल विभाग और स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा संयुक्त रूप से तैयार किया गया है।

रूस से भारत पहुंची स्पूतनिक-वी की दूसरी खेप, कोरोना के नए स्ट्रेन पर भी प्रभावी

नई दिल्ली (आरएनएस)। रूस की बनाई कोरोना वैक्सीन स्पूतनिक-वी की दूसरी खेप भारत में पहुंच गई है। आज हैदराबाद में वैक्सीन का दूसरा जत्था उतारा गया। उम्मीद है कि इस वैक्सीन की खुराक जल्द ही बाजार में मिलनी शुरू हो जाएगी। रूस द्वारा विकसित की गई इस वैक्सीन की करीब डेढ़ से दो लाख खुराक की खेप भारत को मिल गई है। स्पूतनिक वी टीकों की 1.5 लाख खुराक पहले ही भारत पहुंच चुकी हैं। भारत में रूस के राजदूत निकोले कुदाशेव ने बताया, स्पूतनिक-वी वैक्सीन का दूसरा बैच हैदराबाद में लैंड हो गया है। रूस के विशेषज्ञों ने इस बात की घोषणा की है कि ये कोविड-19 के नए स्ट्रेन के लिए भी कारगर है। स्पुतनिक वी दुनिया के सबसे बड़े कोरोना टीकाकरण अभियान में योगदान देने वाला और भारत में इस्तेमाल होने वाला पहला विदेशी निर्मित टीका बन गया है। हैदराबाद में स्पुतनिक वी के साथ टीकाकरण शुक्रवार से शुरू हुआ और 1 मई, 2021 को भारत में वैक्सीन के पहले बैच का आगमन हुआ था जिसमें भारत को डेढ़ लाख खुराके प्राप्त हुई थीं। ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया ने इस वैक्सीन को इंपोर्ट करने के लिए डॉक्टर रेडडी लैब को मंजूरी दी है। भारत ने इसको इमरजेंसी के तौर पर इस्तेमाल की इजाजत पहले ही दे दी है। माना जा रहा है कि रूस की ये वैक्सीन भारत में चल रहे टीकाकरण के तीसरे फेज में काफी मदद करेगी और इससे कोरोना संक्रमण को रोकने में मदद मिलेगी।

गोवा के तट से टकराया चक्रवाती तूफान 'ताऊते', कर्नाटक में 4 की गई जान, 73 गांव प्रभावित

नई दिल्ली (आरएनएस)। पांच राज्यों में चक्रवाती तूफान 'ताऊते' को लेकर अलर्ट जारी है। बताया जा रहा है कि अरब सागर में बन रहा ये साइक्लोन अब भीषण चक्रवाती तूफान में बदल गया है। मौसम विभाग के मुताबिक ताउते अगले 24 घंटे में गंभीर और उसके बाद बहुत गंभीर चक्रवाती तूफान में तब्दील होगा। यह 18 मई की दोपहर से शाम के बीच गुजरात के पोरबंदर से होता हुआ पाकिस्तान की ओर रुख करेगा। इस दौरान पोरबंदर और नालिया तट पर इसके भारी तबाही मचाने के आसार हैं। ताउते चक्रवात से अबतक कर्नाटक में चार लोगों की मौत हो गई और 73 गांव प्रभावित हैं। ताऊ ते' चक्रवात गोवा के तटीय इलाकों से टकरा गया है। विभाग का कहना है कि इसका केंद्र गोवा का उत्तर, उत्तर पश्चिम होगा और आज पूरे दिन यहां बारिश और आंधी जारी रहेगी। इसी के साथ गुजरात में भी हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है।

वहीं कर्नाटक में 'ताऊ ते' चक्रवात का असर दिखने लगा है। पिछले 24 घंटों में 6 जिलों में भारी बारिश हुई है, इसमें करीब 73 गाव प्रभावित हुए हैं जबकि 4 लोगों की मौत हो गई है। इसके साथ ही महाराष्ट्र के राहत एवं पुनर्वास मंत्री विजय वडेट्टीवार ने बताया कि कोंकण तट के पास के जिलों को चक्रवात की चेतावनी दी गई है। सीएम ने मामले का जायजा लिया है। मैंने उन्हें पुनर्वास कार्य के बारे में सूचित कर दिया है। हमने इन क्षेत्रों में बड़े आश्रय स्थल तैयार करने के निर्देश दिए हैं। चक्रवाती तूफान 'ताऊ ते' 12 घंटों में और भी भीषण होने वाला है। वहीं आज इसके चलते केरल महाराष्ट्र के कुछ इलाकों में भारी बारिश हो सकती है।

भारतीय वायुसेना ने 'ताउते' चक्रवाती तूफान से निपटने के लिए अपने 16 मालवाहक विमान और 18 हेलीकॉप्टर प्रायद्वीपीय भारत में तैनात कर दिए हैं। वायुसेना ने बताया कि अगले कुछ दिन तटीय इलाकों में कोविड-19 राहत अभियान पर ध्यान केंद्रित करने का फैसला किया है क्योंकि खराब मौसम की वजह से बाद में इन इलाकों में अभियान प्रभावित हो

धर्मेंद्र प्रधान और हरियाणा के मुख्यमंत्री ने पानीपत में 500 बिस्तरों वाले कोविड केयर सेंटर का किया लोकार्पण

नई दिल्ली (आरएनएस)। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस तथा इस्पात मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने हरियाणा में पानीपत के गांव बाल जाटान के पास 500 बेड के कोविड केयर अस्पताल का उद्घाटन आज किया। इस अवसर पर हरियाणा के स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज और करनाल लोकसभा सांसद संजय भाटिया भी मौजूद थे। इस अस्पताल का निर्माण हरियाणा सरकार ने इंडियन ऑयल के सहयोग से किया है । इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड इसके लिए गैसीय ऑक्सीजन की आपूर्ति करेगी। पानीपत में रिफाइनरी के पास बने अस्थायी कोविड अस्पताल का नाम गुरु तेग बहादुर संजीवनी कोविड अस्पताल रखा गया है।

इस अस्पताल को बनाने का काम दिनांक 29 अप्रैल को शुरू हुआ था जो युद्ध स्तर पर चला। संबंधित जिला सिविल अस्पताल से रेफर होने के बाद अस्पताल आसपास के जिलों जैसे पानीपत, करनाल, सोनीपत आदि से मरीजों की जरूरतें पूरी करेगा। इस अस्पताल में सरकारी डॉक्टरों, प्रशिक्षु डॉक्टरों, नर्सों एवं नर्सिंग छात्रों समेत 275 से अधिक स्वास्थ्य पेशेवर तैनात होंगे। यह अस्पताल इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड, पानीपत रिफाइनरी और पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स द्वारा स्थापित 15 मीट्रिक टन/ प्रतिदिन अधिकतम क्षमता की समर्पित गैसीय ऑक्सीजन पाइपलाइन से लैस है। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड ने स्वास्थ्य कर्मियों के ठहरने की भी व्यवस्था की है जो छह महीने की अवधि के लिए आसपास के होटलों में रह कर इस अस्पताल में काम करेंगे।

इस अवसर पर बोलते हुए प्रधान ने इंडियन ऑयल और हरियाणा सरकार को इतनी कम अवधि में इस परियोजना को पूरा करने के लिए बधाई दी। कोविड-19 महामारी को एक सदी में आया बड़ा संकट बताते हुए उन्होंने कहा कि भारत सरकार कोविड-19 के दूसरे उछाल के खिलाफ लड़ने और जान बचाने के लिए अथक प्रयास कर रही है। महामारी के खिलाफ भारत की लड़ाई में पेट्रोलियम और इस्पात क्षेत्र के योगदान के बारे में प्रधान ने कहा कि ये दोनों क्षेत्र मिलकर दैनिक आधार पर लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन (एलएमओ) की राष्ट्रीय आवश्यकता के प्रमुख भाग की आपूर्ति कर रहे हैं। उन्होंने एलएमओ के आयात, ऑक्सीजन कंसंट्रेटर और क्रायोजेनिक कंटेनरों की खरीद, रिफाइनरियों में सिलेंडर भरने और तरल ऑक्सीजन के परिवहन के लिए लॉजिस्टिक्स सहायता प्रदान करने जैसे कदमों पर भी प्रकाश डाला।

भारतीय रेलवे ने 6,000 रेलवे स्टेशनों पर वाई-फाई सुविधा की शुरू

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारतीय रेलवे यात्रियों और आम जनता को डिजिटल प्रणालियों के साथ जोड़ने के लिए दूरस्थ रेलवे स्टेशनों परवाई-फाई सुविधा का लगातार विस्तार कर रहा है। 15 मई, 2021 को पूर्व मध्य रेलवे के धनबाद रेलमंडल में झारखंड स्थित हजारीबाग जिला के तहत हजारीबाग टाउन रेलवेस्टेशन पर वाई-फाई शुरू किया गया। इसके साथ ही भारतीय रेलवे ने 6,000 रेलवे स्टेशनों पर वाई-फाई लगाने का काम पूरा कर लिया है।

भारतीय रेलवे ने स्टेशनों पर वाई-फाई सुविधा देने का अपना सफर जनवरी, 2016 में शुरू किया। इसके तहत मुंबई रेलवे स्टेशन पर सबसे पहले वाई-फाई की सुविधा दी गई। इसके बाद पश्चिम बंगाल का मिदनापुर रेलवे स्टेशन इस सुविधा को प्राप्त करने वाला 5,000वां स्टेशन बना और 15 मई, 2021 को हजारीबाग 6,000वां। साथ ही, उसी दिन ओडिशा के अंगुल जिला स्थित जारापाड़ा रेलवे स्टेशन पर भी वाई-फाई की सुविधा उपलब्ध कराई गई। रेलवे स्टेशनों पर वाई-फाई की सुविधा भारत सरकार के महत्वाकांक्षी डिजिटल इंडिया कार्यक्रम के उद्देश्यों को पूरा करती है।यह ग्रामीण और शहरी नागरिकों के बीच डिजिटल दूरी को खत्म करने का काम करेगा, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल फुटप्रिंट में बढ़ोतरी होने के साथ उपयोगकर्ता का अनुभव भी बढ़े।

भारतीय नौसेना की टीम ने आंध्र प्रदेश में दो प्रमुख ऑक्सीजन संयंत्रों की मरम्मत की

नई दिल्ली (आरएनएस)। नौसेना डॉकयार्ड विशाखापत्तनम की टीमों ने नेल्लोर और कालाहस्थी में दो प्रमुख ऑक्सीजन संयंत्रों की मरम्मत में एक बड़ी सफलता हासिल की जिससे आंध्र प्रदेश राज्य में चल रहे ऑक्सीजन संकट के दौरान ऑक्सीजन की आपूर्ति को काफी बढ़ावा मिला। राज्य प्रशासन के अनुरोध के आधार पर पूर्वी नौसेना कमान ने विशाखापत्तनम से नौसेना डोर्नियर विमान द्वारा नौसेना डॉकयार्ड के विशेषज्ञों की टीमों को पहुंचाया। टीमों ने आज सुबह कंप्रेसर की ओवरहालिंग करके ऑक्सीजन संयंत्रों की सफलतापूर्वक मरम्मत की और कुछ एडेप्टर और सहायक उपकरणों को बदल दिया जो नौसेना डॉकयार्ड के भीतर निर्मित थे।

नेल्लोर स्थित कृष्णा तेजा ऑक्सीजन प्लांट एक बड़ा क्रायोजेनिक प्लांट है जो एक दिन में 400 जंबो टाइप सिलेंडर चार्ज करने में सक्षम है और पिछले 6 साल से नॉन फंक्शनल है। नौसेना की टीम ने संयंत्र की मरम्मत की और शून्य से 186 डिग्री सेल्सियस के क्रायोजेनिक तापमान को प्राप्त करने में कामयाब रही और बोतलों को चार्ज करने के लिए अपेक्षित आउटपुट ऑक्सीजन प्रेशर भी प्राप्त किया। आउटपुट का विश्लेषण 98 प्रतिशतऑक्सीजन, शून्य प्रतिशत कार्बन मोनोऑक्साइड और 0.01 प्रतिशतकार्बन डाइऑक्साइड है जो मेडिकल ग्रेड ऑक्सीजन की आवश्यकताओं को पूरा करता है।

तिरुपति के पास कालाहस्थी में ऑक्सीजन संयंत्र वीपीएसए प्रौद्योगिकी पर आधारित एक बड़ा संयंत्र है और 5 बार पर 16000 लीटर प्रति मिनट पैदा करने में सक्षम है (चार्जिंग की बजाय सीधे लाइनों को फ़ीड देकर) ।

कोविड महामारी से मुक़ाबले में ऊर्जा क्षेत्र की सीपीएसयू कंपनियों ने समुदायों से मिलाया हाथ

नई दिल्ली (आरएनएस)। कोविड-19 महामारी से मुकाबले के लिए विद्युत मंत्रालय के अंतर्गत आने वाली सार्वजनिक क्षेत्र की केंद्रीय कंपनियोंसीपीएसयू ने बहुस्तरीय रणनीति पर काम करना शुरू किया है और देशभर में मौजूद अपने दफ्तरों कार्यालयों या इकाइयों में तैनात कर्मियों तथा आसपास के समुदायों तक पहुंच सुनिश्चित कर रही हैं।

सीपीएसयू ने एक साथ मिलकर देश के 200 से अधिक स्थानों पर आइसोलेशन केंद्र स्थापित किए हैं, जो सीपीएसयू के कर्मचारियों, संविदा कर्मियों और उनके परिवारों को सेवा देंगे। इसके अलावा अधिक संक्रमण वाले क्षेत्रों में ऑक्सीजन सुविधा वाले कोविड देखभाल केंद्र भी स्थापित किए जा रहे हैं ताकि मध्यम रूप से प्रभावित लोगों की स्वास्थ्य देखभाल की आवश्यकता पूरी की जा सके और सरकारी स्वास्थ्य देखभाल ढांचे पर बढ़ते दबाव को कुछ हद तक कम किया जा सके। सीपीएसयू सक्रियता से कई पहल कर रही हैं जिनमें आइसोलेशन केंद्रों की स्थापना, मास्क और सैनिटाइजर का वितरण, ऑक्सीजन सुविधा वाले बिस्तर उपलब्ध कराना,राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र एनसीआर में विभिन्न स्थानों पर टीकाकरण शिविर का आयोजन और ऑक्सीजन कंसंट्रेटर उपलब्ध कराना तथा ऑक्सीजन संयंत्र की स्थापना करने में मदद आदि शामिल हैं। यह उल्लेखनीय है कि ऊर्जा क्षेत्र की सीपीएसयू कंपनियों ने पीएम केयर्स फंड में 925 करोड़ रुपये का दान दिया है।

नेशनल हाइड्रो इलेक्ट्रिक पावर कॉरपोरेशन (एनएचपीसी), कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) के अंतर्गत 41.89 लाख रुपये की लागत से उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर के जिलाधिकारी को सिद्धार्थनगर जिला अस्पताल में ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्र स्थापित करने में मदद की। सीएसआर के तहत ही एनएचपीसी ने उत्तर प्रदेश के देवरिया स्थित एल-2 कोविड सुविधा वाले राजकीय जिला अस्पताल हेतु देवरिया के ज़िला अधिकारी को 5 एलपीएम क्षमता वाले 60 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर उपलब्ध कराया है। एनएचपीसी, फरीदाबाद स्थित बादशाह खान जिला अस्पताल में सिलेंडर भरने की सुविधा वाला 1000 एलपीएम क्षमता का ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्र स्थापित कर रहा है। इसकी खरीद प्रक्रिया शुरू हो गई है और जल्द ही इस संयंत्र को स्थापित कर दिया जाएगा। यह संयंत्र आठ हफ्तों की निर्धारित समय सीमा में स्थापित हो जाएगा।

ऊर्जा क्षेत्र की एक अन्य महत्वपूर्ण सीपीएसयू राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम (एनटीपीसी) ने एनसीआर के लिए 11 ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्र की खरीद का ऑर्डर दे दिया गया है। इसके अलावा दो बड़े ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्र भी लगाए जाएंगे जहां छोटे सिलेंडरों में ऑक्सीजन भरने की सुविधा उपलब्ध रहेगी।